

राजस्टान नं० ५४०-३३/७४० एम०/ १३-१४/९८ ।



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, ९ अक्टूबर, १९९६/१७ प्रादिवन, १९१८

हिमाचल प्रदेश सरकार

आवाकारी पर्यं कराधान विभाग

प्रधिसूचनाएँ

शिमला-२, २६ गिल्मर, १९९६

संख्या ६००५०० पन्ना ११-३५/७४-पाटे-११।—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, प्रथम नवम्बर, १९६६ से तकनि पर्यं हिमाचल प्रदेश के समाविष्ट थोकों को यथा लाग और पंजाब पर्याप्त अधिनियम, १९६६ की धारा ५ के अधीन हिमाचल प्रदेश में जोड़े गए थोकों में यथा प्रवत्त पंजाबी आवाकारी अधिनियम, १९१४ (१९१४ का १) की धारा ५६ द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए कांगड़ा आफिसर-५ जैक रायकल माफ्न-५६ ए० पी० आ० १० उनके “यद्य सम्भान गमारी” भनाने के लिए, उसमें प्रयोग होते थाली मदिरा पर्यं में आवाकारी शुल्क तथा निर्धारित फीस, जो मु० १५,६६१.९० रुपये बनती है, पर से छूट प्रदान करने के महर्यं भारदेश देते हैं।

शिमला-२, २७ गितम्बर, १९९६

गंभीर ई० एकम० एन० ११-३५/७४-पार्ट-III। हिमाचल प्रदेश के राजापाल, प्रथम नवम्बर, १९०६ से तुरन्त पूर्व हिमाचल प्रदेश के गमाविष्ट क्षेत्रों को यथा लाग और पंजाब पत्तर्यात आविष्या, १९६६ की धारा ५ के अधीन हिमाचल प्रदेश में जोड़े गए क्षेत्रों में यथा प्रवृत्त पंजाब शाकारी अधिनियम, १९१४ (१९१४ का १) की धारा ५६ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कमांडग शैफियर, पुष्टानय, गैनिक प्रशिक्षण कमांड, गिमला, जो अपने युनिट का स्थापना दिवस मनाने जा रहा है, में पांच हौंसे वानी महिला पर आकारा अत्यक्त तथा निर्धारित फीस, जो गु.० २४,२०० रुपय बनती है, परंगे छूट प्रदान करने के महर्व आदेश देते हैं।

आदेश द्वारा,

हमाराश्वित/-

अधिकारित मुख्य सचिव एवं सचिव।